

संयुक्त राष्ट्र निकाय ने NHRC की मान्यता का स्थगन

स्रोत: द द्रिष्टि

जनिवा में स्थिति और संयुक्त राष्ट्र (UN) से संबद्ध ग्लोबल अलायंस ऑफ नेशनल ह्यूमन राइट्स इंस्टीट्यूशंस (GANHRI) ने लगातार दूसरे वर्ष भारत के राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (NHRC) की मान्यता को स्थगति कर दिया है।

- यह नरिणय मानवाधिकार परिषद और कुछ **UNGA** निकायों में भारत के मतदान अधिकारों को प्रभावित कर सकता है।
- **GANHRI** उन संस्थानों को **A-स्टेटस** देता है जो मानवाधिकारों की रक्षा में स्वतंत्रता और प्रभावशीलता के कुछ मानदंडों को पूरा करते हैं।
 - वर्ष 1999 में NHRI के लिये मान्यता प्रक्रिया की शुरुआत के बाद से **NHRC** को A-स्टेटस से मान्यता प्राप्त है, जिसने उसने वर्ष 2006, 2011 और 2017 में स्थगन के बाद भी बरकरार रखा।
 - हालाँकि, वर्ष 2023 और 2024 में भारत के NHRC को लगातार दो वर्षों के लिये A-स्टेटस नलिंबति कर दिया गया था।
- GANHRI की नवीनतम रपिर्ट अभी भी प्रतीक्षति है। हालाँकि, इसकी पछिली रपिर्ट (वर्ष 2023 की रपिर्ट) में स्थगन की सफिरशि के लिये कई कारण बताए गए थे। इनमें शामिल हैं:
 - **संरचना:** NHRC में सदस्यों की नयुक्ति में पारदर्शति का अभाव,
 - मानवाधिकार जाँच की नगिरानी के लिये **पुलसि अधिकारियों की नयुक्ति**
 - सदस्य पैनल में **लगि और अलपसंख्यक प्रतनिधित्व का अभाव**
 - NHRC "सरकारी हस्तक्षेप से स्वतंत्र रूप से काम करने में सक्षम" होने के लिये आवश्यक स्थतियिँ बनाने में भी वफिल रहा है।

और पढ़ें: राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (NHRC)